

SAMFORD

SUPER SPECIALITY HOSPITAL

State of The Art Straight From The Heart



DR. DEEPAK GUPTA



DR. ASHUTOSH

CHAIRMAN & DIRECTOR DEPT. OF CARDIAC SCIENCES M.B.B.S, (INTERNAL MEDICINE) D.M (SGPGI), F.S.C.A.I (USA) F.E.S.C. (EUROPE), F.A.C.C (USA)

Consultant Interventional Cardiologist M.B.B.S, M.D. (Medicine) D.M. (Cardiology)



विश्व
अपने दिल को हृदय दिवस

स्वस्थ रखने का सबसे आसान तरीका है सही खाना, सही सोना और तनाव ना लेने के साथ-साथ समय-समय पर डॉक्टर की सलाह लेते रहना....

विश्व हृदय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

DEPARTMENTS

- Department of Emergency & Trauma Care
- Department of Critical Care
- Department of Gastrosciences & Hepatology
- Department of Cardiac Sciences
- Department of Neurology & Neurosurgery
- Department of Nephrology
- Department of Orthopedics, Joint & Hip replacement Surgery
- Department of Urology
- Department of General & Laparoscopic Surgery
- Department of Internal Medicine
- Department of Anaesthesiology
- Department of Paediatrics, Paediatrics Surgery & Neonatology
- Department of Obstetrics & Gynaecology
- Department of Pathology & Microbiology
- Department of Interventional Radiology & Imaging Sciences

FACILITIES 24x7

- 64 Bedded Critical Care Unit
- Emergency & Trauma Care
- Dialysis
- 3 Tesla MRI & 64 Slices CT Scan
- Non Vascular Radiological Interventions
- Pharmacy
- Lab Services
- Home Sample Collection
- BLS & ACLS Ambulance Services
- Dedicated Doctors Team



OTHER FACILITIES

- Day Care Procedures
- Endoscopic Ultrasound (EUS)
- Capsule Endoscopy
- Physiotherapy & Rehabilitation
- Clinical Nutrition & Dietetics

7360080012 | 7360080021 | 8877188771



www.samfordhospital.com

Samford Hospital, Kokar Chowk, Ranchi, Jharkhand - 834001



@Samfordhospitalranchi



@Samfordhospital_



@Samfordhospital



संपादकीय

दोहरा रवैया ठीक नहीं

आ तंत्रवादी हरदीप सिंह निजर की हत्या के मामले में जिस तरह से कनाडाई पोंस जस्टिन ट्रॉने ने बैरे किसी ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगा दिया और उसके बाद अमेरिका ने जंच में संख्योग का राग अलाप कर भारत को परोक्ष नसीहत देने की कोशिश की। वह अंतरराष्ट्रीय हल्कों में किसी से छुपा नहीं है। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से मंगलवार को दिये अपने भाषण में बड़ी बारीकों से उन सभी सवालों को संवेदित किया, जो इस सिलसिले में उठ रहे थे। उन्होंने मंच की सीमाओं का खंबाल रखते हुए न केवल भारत का पक्ष स्पष्ट किया बल्कि अन्य देशों को भी उनकी सीमाओं का अहसास कराया। विदेश मंत्री ने साफ कहा कि अब वह दौर नहीं रहा जब कुछ देश मिलक दुनिया का अंजेंडा सेट करें। जयशंकर ने भले ही कनाडा या किसी अन्य देश का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका वातांसे से साफ था कि वह किसी और इशारा कर रहे हैं। मिर भी अपनी किसी के मान में कोई संदेह रह गया हो तो न्यूयॉर्क में काउसिल अन्न फैन रिलेशंस में हुई चर्च के दौरान वह भी साफ हो गया। वहां उन्होंने सफ-साफ कहा कि कनाडा अमर कोई ठोस और सटीक सबूत देता है, तो भारत निश्चित रूप से उस पर विचार करेगा, लेकिन वहां पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आतंकवादी और अल-इस्लाम वादी दी गतिविधियां चले हैं, संगठित अपराध बढ़ा है, उससे जुड़ी भारत की चिंताओं का बया? वहां भारतीय राजनीतिकों को धमकियां दी जाती हैं, भारतीय कॉन्स्यूलेट पर हमला करने के लिए अपनी परीक्षा उस सर्वोच्च स्थान को पुनः प्राप्त करने के लिए जिसका लाभ प्राचीन काल से महिलाओं को मिलता आया है; और राजनीतिक गलतफहमियों से ऊपर उठकर नारी शक्ति के लिए कास खड़े होने के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा उस संसद की अधिनरीतिक की भवाना का धमकियां दी जाती हैं, भारतीय राजनीतिकों को धमकियां दी जाती हैं, भारतीय कॉन्स्यूलेट पर हमला करने के लिए अपनी परीक्षा उस समानता और पूर्ण संतुलन का परिचायक है।

भारत और कनाडा के बीच घल रहे राजनीतिक विवाद के बीच जिस तरह अमेरिका ने जांच में सहयोग का राग अलाप कर भारत को परोक्ष नसीहत देनी एस जयशंकर ने अपनी अधिकारी की कोशिश की, उसे लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूएन के मंच से जबाब दिया है।

जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, उल्टे उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हवाला दिया जाता है। ऐसी स्थिति कैसे मंजूर की जा सकती है? रही बात अमेरिका को तो हाल के वर्षों में उसके साथ भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में जो करीबी आई है और जिस तरह से दोनों देशों में सामरिक भागीदारी बढ़ी है, उसका ध्यान रखना दोनों पक्षों के लिए जरूरी है। संभवतः इसी जबह से विदेश मंत्री जयशंकर इस पर अपनी साक्षिनिक रूप से कुछ नहीं कह रहे हैं। लेकिन जहां तक अकारेंटिलिटी पर जोर देने की बात है तो वह नियम सबके लिए होना चाहिए। और भारत के बारे में तो अभी सिर्फ आरोप है, वह भी ऐसा जिसका कोई ठोस आवार भी समान नहीं आया है, जिस देश की सरकार ने अपराध लगाया है, वहां जांच तक पूरी नहीं हुई है, पर जिन देशों पर अन्य राष्ट्रों की प्रसंभूत और सीमाओं का उल्लंघन करते हुए कार्रवाई करने के मामले आजाद ठोस रूप से समाने आ चुके हैं तब उन पर चुप्पी क्यों? क्या यह अजीब नहीं है कि जिसकीरी तर करने का यह जोस सिर्फ भारत के मामले में दिखाया जा रहा है? जयशंकर ने सही कहा कि आतंकवाद से जुड़े ऐसे मामलों पर आज भी कई देश दोहरा रवैया अपना रहे हैं, जो उचित नहीं।

अभिमत आजाद सिपाही

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रति ऐतिहासिक श्रद्धा के प्रतीक के रूप में स्थित है। सादियों से, भारतीय

भारत की अमृत यात्रा: महिला नेतृत्व वाली यात्रा!



जी किशन रेडी
जैसे ही ऐतिहासिक नारीशक्ति बंदन अधिनियम संसद में पेश किया गया, माननीय प्रधानमंत्री नेरेन्द्र मोदी ने इसके पारित होने को सांसदों के लिए अपनी परीक्षा कहा। वह वास्तव में अपनी परीक्षा है: समानता और संतुलन के अधार पर भारत के पारपरिक गैरिक को बहाल करने के लिए अपनी परीक्षा उसका काम। वह किसी और इशारा कर रहे हैं।

परीक्षा के लिए एक साथ खड़े होने के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा उसका काम। वह किसी और इशारा कर रहे हैं।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधुनिक अधिकार के लिए अपनी परीक्षा।

लैंगिक असमानता और अन्याय से ज़ब्द रही दुनिया में, भारत महिलाओं के प्रतीक वाली यात्रा के लिए अपनी परीक्षा। आधु

